Baba’s Praise

13/3/2015

- बाप कहते हैं मैं तुम्हारा टीचर हूँ ना। यह भी सुप्रीम बाप कितना ऊंच पढ़ाते हैं।

- मीठे बच्चे, अपनी और दूसरों की तकदीर बनानी है तो रहमदिल का संस्कार धारण करो। जैसे बाप रहमदिल है तब टीचर बनकर तुम्हें पढ़ाते हैं।

- बाप कहते हैं तुमको और कोई सृष्टि के आदि-मध्य- अन्त की हिस्ट्री-जॉग्राफी समझा न सके।

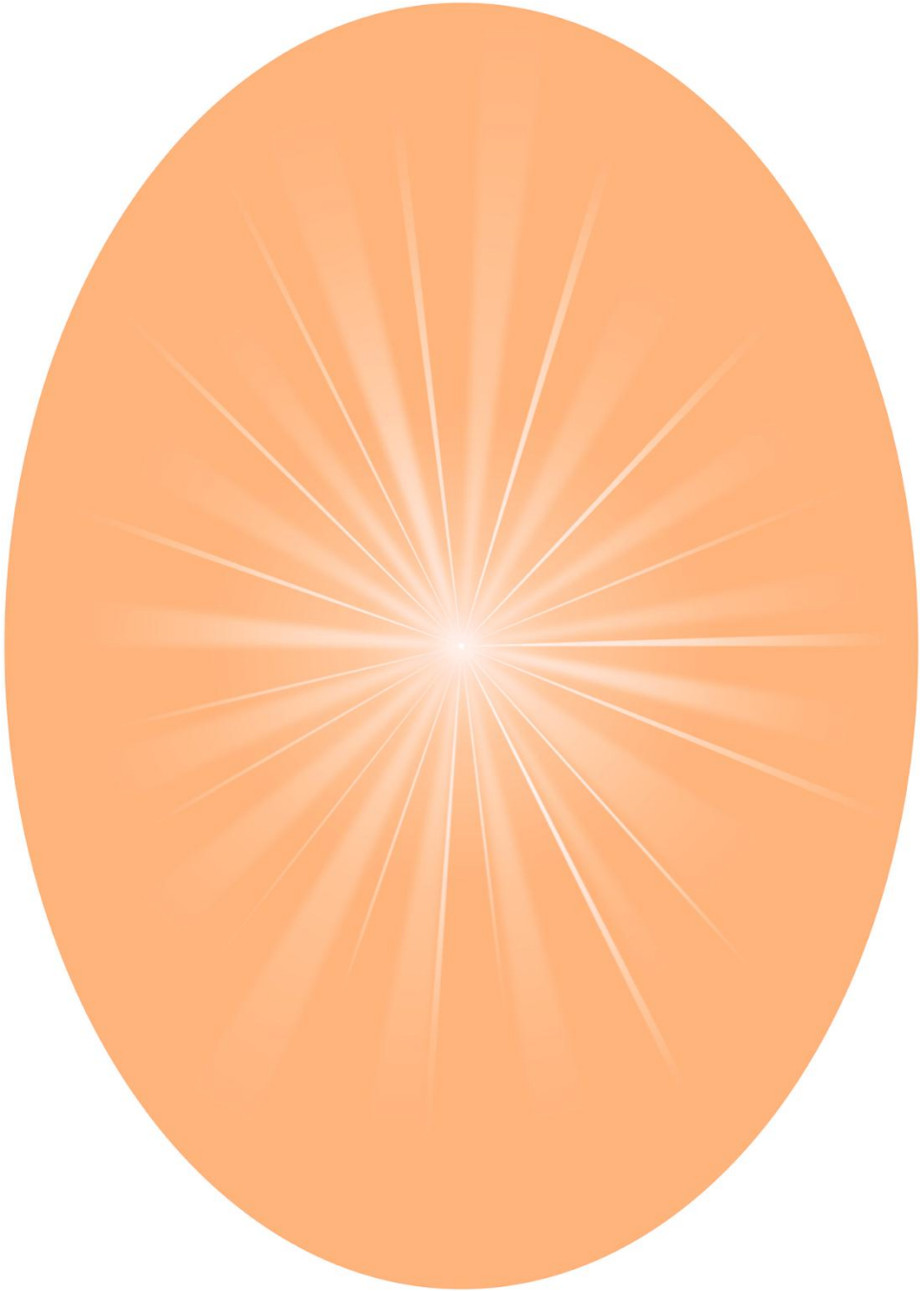

- सभी बच्चे जानते हैं कि अभी रूहानी बाबा आया हुआ है, वह हमको इस पुरानी छी-छी पतित दुनिया से फिर घर ले जायेंगे। बाप आये ही हैं पावन बनाने और आत्माओं से ही बात करते हैं। मैं इस साधारण तन में आकर तुम बच्चों को पावन बनने की युक्ति बताता हूँ।

- बच्चे अच्छी रीति जानते हैं कि अभी बाबा आया हुआ है हमको पढ़ाने के लिए।

- भगवान से फल मिल रहा है। भक्ति के दो फल हैं-एक मुक्ति, दूसरा जीवनमुक्ति।
-

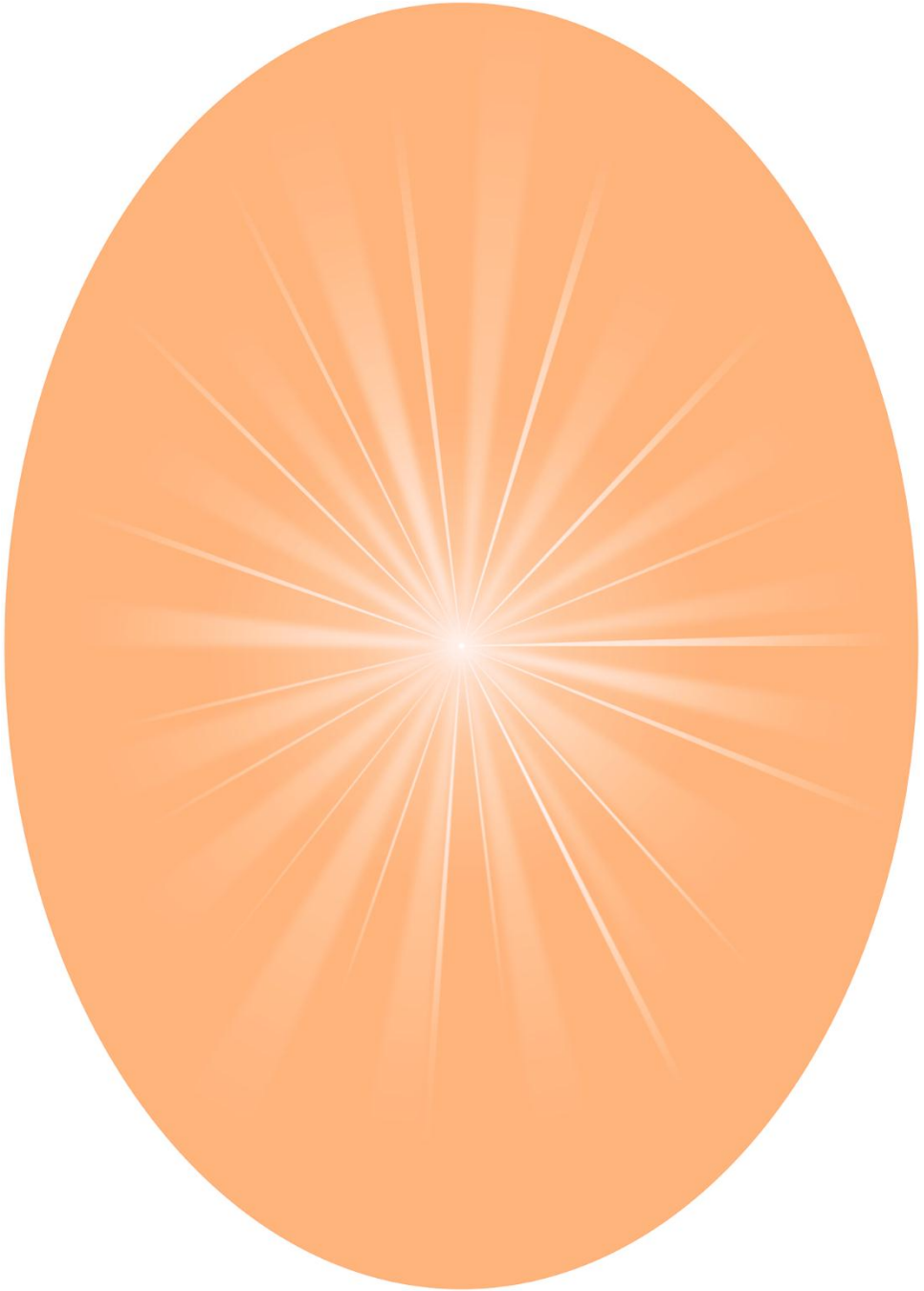

- बाप आते ही हैं संगमयुग पर। आकरके देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं।

- खुदा दोस्त की भी एक कहानी है ना। बाप आकर बच्चों को प्यार करते हैं, साक्षात्कार कराते हैं, बिगर कोई भक्ति करने के भी साक्षात्कार होता है। तो दोस्त बनाया ना।

- जैसे ब्रह्मा आदि देव है, ऐसे ब्रह्माकुमार, कुमारियां भी आदि रत्न हैं। आदि देव के बच्चे मास्टर आदि देव हैं। आदि रत्न समझने से ही अपने जीवन के मूल्य को जान सकेंगे क्योंकि आदि रत्न अर्थात् प्रभू के रत्न, ईश्वरीय रत्न- तो कितनी वैल्यू हो गई इसलिए सदा अपने को आदि देव के बच्चे मास्टर आदि देव, आदि रत्न समझकर हर कार्य करो तो समर्थ भव का वरदान मिल जायेगा। कुछ भी व्यर्थ जा नहीं सकता।